आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 282 | उज्जैन, सोमवार 01 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश के 20 लाख किसानों को देंगे सोलर पावर पंप-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने ग्राम राजौधा में किया सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अन्नदाताओं (किसानों) को सम्मान और सुविधा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द 20 लाख से अधिक किसानों को सोलर पावर पंप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें बिजली बिल की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के ग्राम राजौधा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि प्रदेश के किसानों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से 6-6 हजार रुपए, इस प्रकार कुल 12 हजार रुपए सम्मान निधि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को दीपावली के बाद भाईदूज से हर माह 1500 की राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश के बेटे-बेटियां खूब पढ़ें-लिखें, इसके लिए सरकार सभी इंतजाम कर रही है।

बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, होनहार विद्यार्थियों को स्कूटी, साथ ही साइकिल और गणवेश भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सर्वांगीण विकास ही हमारा लक्ष्य है। प्रदेश का कोई भी अंचल विकास से वंचित नहीं रहने दिया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 52 करोड़ 59 रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों को लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

महाराष्ट्र में इमारत ढहने के मामले में चार और गिरफ्तारी, बेहद खतरनाक इमारतों को तुरंत खाली कराया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में इस सप्ताह एक इमारत ढहने से 17 लोगों की मौत के मामले में चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच का जिम्मा मीरा-भयंदर वसई-विरार पुलिस की अपराध शाखा को सौंप दिया गया है।

मुंबई से सटे पालघर के विरार इलाके के विजय नगर में बुधवार रात रमाबाई अपार्टमेंट नामक चार मंजिला अवैध इमारत बगल के एक खाली पड़े मकान पर गिर गई थी। इस घटना में दो बच्चों समेत कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई।

वरिष्ठ निरीक्षक शाहूराज रानावरे ने कहा कि अपराध शाखा ने जमीन की मालिक, दो महिलाओं और उस पर बनी इमारत में रहने वालों से किराया वसूलने वाले उनके पतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुरुआत में मुख्य आरोपित बिल्डर नीतल साने को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। महाराष्ट्र के मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा है कि महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) प्रभावित इमारत के लोगों को अस्थाई आवास उपलब्ध कराएगा।

भारत को यूक्रेन युद्ध में अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाना चाहिए- एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को फिनलैंड की अपनी समकक्ष एलिना वाल्टोनन के साथ फोन पर बातचीत के बाद कहा कि यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भारत को अनुचित रूप से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्री की इस टिप्पणी को अमेरिका के उन आरोपों के संदर्भ में देखा जा रहा है कि भारत रियायती मूल्य पर रूस से कच्चा तेल खरीदकर मास्को की युद्ध मशीन की सहायता कर रहा है।

जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा-हमारी चर्चा यूक्रेन युद्ध और उसके परिणामों पर केंद्रित रही। इस संदर्भ में भारत को अनुचित तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हमने हमेशा बातचीत और कूटनीति का समर्थन किया है।

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने इस सप्ताह कहा था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया 50 प्रतिशत शुल्क केवल भारत के अनुचित व्यापार के बारे में नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य मॉस्को की युद्ध मशीन को भारत द्वारा दी जा रही वित्तीय जीवन रेखा को काटना भी है।

इंतजार खत्म इस दिन मिलेंगे सेना को दो तेजस मार्क-1ए, रक्षा सचिव बोले- 80 फाइटर जेट पर चल रहा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा अगले महीने सेना को दो अत्याधुनिक स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू जेट्स की डिलीवरी करने की संभावना है। रक्षा सचिव आरके सिंह ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सरकार ने एक और खेप खरीदने की मंजूरी दी- भारतीय वायु सेना ने पहले के अनुबंध के तहत तेजस मार्क 1ए जेट्स की डिलीवरी में देरी को लेकर चिंता जताई थी। पिछले सप्ताह, सरकार ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस लड़ाकू विमानों की एक अतिरिक्त खेप को मंजूरी दी थी।

38 तेजस जेट्स पहले से सेवा में हैं- एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा सचिव ने कहा बताया कि 38 तेजस जेट्स पहले से सेवा में हैं और करीब 80 और बनाए जा रहे हैं। फरवरी 2021 में रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट्स की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ का सौदा किया था।

जेट्स की डिलीवरी में देरी मुख्य रूप से अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस द्वारा एरो इंजन की आपूर्ति में देरी के कारण हो रही है।

तेजस लड़ाकू विमान मिग-21 के स्थान पर सेवा में लाए जाएंगे- बता दें कि तेजस लड़ाकू विमान मिग-21 के स्थान पर सेवा में लाए जाएंगे। तेजस एकल इंजन वाला बहुभूमिका वाला लड़ाकू विमान है जो उच्च खतरे वाले हवाई वातावरण में भी परिचालन करने में सक्षम है।

बेहतर नौकरी की तलाश बुनियादी अधिकार, कलकत्ता HC की कंपनी को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा है कि बेहतर सुविधाओं वाली दूसरी नौकरी ढूंढना व्यक्ति का एक बुनियादी अधिकार है और भले ही वह प्रतिद्वंद्वी कंपनी में ही क्यों न ज्वाइन करे, इसे नैतिक पतन नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि किसी कंपनी द्वारा इस आधार पर कर्मचारी को बकाया राशि का भुगतान न करना न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।एक इंसुलेटर फिल्म निर्माता कंपनी के अनुशासनात्मक आदेश और दंड को रद करते हुए हाई कोर्ट की जस्टिस शंपा दत्त पाल ने कर्मचारी को आठ प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज सहित 1.37 लाख रुपये की ग्रेच्युटी राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया।

जस्टिस दत्त ने कहा कि याचिकाकर्ता कंपनी अपने इस आरोप को पुष्ट करने के लिए न तो कोई गवाह पेश कर सकी और न ही कोई कॉल रिकार्ड दिखा सकी कि प्रतिवादी एक प्रतिद्वंद्वी कंपनी के संपर्क में था।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता कंपनी यह भी साबित नहीं कर सकी कि उसें कोई नुकसान हुआ। कोर्ट में यह याचिका अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें कंपनी में तकनीशियन के रूप में कार्यरत सुदीप सामंत को ग्रेच्युटी देय राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जांच अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर 2012 में कंपनी में शामिल हुए तकनीशियन को 11 अक्टूबर, 2022 को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

अवैध सट्टेबाजी एप मामले में ईडी का शिकंजा

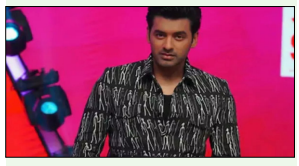

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने अवैध सट्टेबाजी एप के प्रचार से जुड़ी अपनी जांच के सिलसिले में लोकप्रिय बांग्ला फिल्म के अभिनेता अंकुश हाजरा को तलब किया है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि अभिनेता को 16 सितंबर को कोलकाता के साल्टलेक स्थित सीजीओ कांप्लेक्स कार्यालय में अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। वह इस विशेष मामले के संबंध में समन प्राप्त करने वाले पहले बंगाली अभिनेता हैं। पिछले साल से कई बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्म सितारे और क्रिकेटर कथित तौर पर अवैध सट्टेबाजी एप का प्रचार करने के आरोप में जांच के घेरे में हैं।

ड्रैगन और हाथी को साथ आना होगा; US से तनातनी के बीच मोदी से बोले जिनपिंग, ट्रंप को भी मैसेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। इस दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन को मित्र और अच्छे पड़ोसी बनना होगा। शी जिनपिंग ने अपने शुरुआती संबोधन में कहा, दुनिया परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। चीन और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताओं के देश हैं, दुनिया की दो सबसे बड़ी जनसंख्या वाले राष्ट्र हैं और ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा हैं। ऐसे में ड्रैगन और हाथी को साथ आना जरूरी है।

उन्होंने इस साल को भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ बताते हुए रिश्तों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संभालने की अपील की। उन्होंने कहा, हमें बहुपक्षवाद, बहुध्रुवीय विश्व और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में अधिक लोकतंत्र का समर्थन करना होगा और एशिया सहित पूरी दुनिया में शांति व समृद्धि के लिए मिलकर काम करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर चीन से रिश्ते आगे बढ़ाना चाहता है। मोदी ने जोर देकर कहा कि 2.8 अरब लोगों का कल्याण भारत-चीन सहयोग से जुड़ा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले साल हुई डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया के बाद सीमा पर शांति और स्थिरता बनी हुई है। मोदी ने यह भी बताया कि जल्द ही भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू होंगी और कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बहाल की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को तियानजिन पहुंचे। यह उनकी सात साल में पहली चीन यात्रा है। 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव देखा गया था। दोनों नेताओं की मुलाकात करीब एक साल बाद हुई है। पिछली बार वे अक्टूबर 2024 में मिले थे, जिसके बाद रूस पर सैन्य तनाव कम करने के लिए समझौता हुआ था।

भारत कोई स्कूली बच्चा नहीं, बल्कि, अमेरिकी पत्रकार ने ही ट्रंप टैरिफ की निकाल दी हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। उनका कहना है कि रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर उन्होंने अतिरिक्त टैरिफ का बोझ डाला है। ट्रंप के इस फैसले की अमेरिका के भी कई दिग्गजों ने निंदा की है।

अमेरिकी पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार रिक सांचेज ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया टैरिफ अपमानजनक और अज्ञानपूर्ण नीति का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत के साथ स्कूली बच्चों की तरह व्यवहार करने के समान है।

भारत बड़ा लड़का है, कोई स्कूली बच्चा नहीं- रिक सांचेज का कहना है कि ट्रंप प्रशासन का ये फैसला पूरी तरीके से अपमानजनक है। सांचेज का कहना है कि अमेरिका रूस के दृष्टिकोण से यूक्रेन युद्ध के कारणों को नहीं समझता है।

उन्होंने समझाते हुए कहा कि ये यह अपमानजनक तब होता है जब आप भारत जैसे देश के साथ, उसके इतिहास, संसाधनों और क्षमताओं के बावजूद, एक स्कूली बच्चे जैसा व्यवहार करना शुरू कर देते हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि भारत की शुरुआत गांधी से हुई थी। हालांकि, भारत ने दुनिया के लिए जो किया है, वह उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि यूरोप और मेसोपोटामिया ने हासिल किया है। यह लगभग ऐसा है जैसे वे भारत के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे स्कूली बच्चे हों, जिन्हें बताया जाना चाहिए कि क्या करना है। भारत बड़ा लड़का है, स्कूली बच्चा नहीं।

अमेरिका को भारत ने दिया सीधा जवाब- बता दें कि इस साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि आप हमें यह नहीं बताएंगे कि हम किससे तेल खरीद सकते हैं और किससे नहीं, तो यह एक विनाशकारी और परिवर्तनकारी क्षण था। इतिहासकार एक दिन पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे कि यही वह समय था जब द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से दुनिया पर शासन कर रहे पुराने यूरोपीय अमेरिका की शक्ति सचमुच कम होने लगी थी। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका का पतन हो रहा है। शक्ति के दृष्टिकोण से, यह वैश्विक दक्षिण की ओर स्थानांतरित होने जा रहा है, जिसमें प्रमुख देश भारत और चीन के साथ-साथ रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील भी होंगे।

भारत पाक संघर्ष में मध्यस्थता वाले दावे पर सांचेज ने क्या कहा- इस साक्षात्कार के दौरान सांचेज ने कहा ट्रंप के बार-बार दिए गए उन दावों का भी जिक्र किया जिनमें उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की मध्यस्थता की थी, जबकि नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं हुई थी और युद्धविराम पाकिस्तान के डीजीएमओ द्वारा अपने भारतीय समकक्ष को फोन करने के बाद हुआ था।

विमान के केबिन में दिखा खून ही खून, हुआ कुछ ऐसा कि हवा में अटकी यात्रियों की सांसें? एअरलाइन ने खुद बताया कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। एस्पेन से ह्यूस्टन तक जा रही यूनाइटेड एक्सप्रेस की एक उड़ान में उस समय हलचल मच गई, जब विमान हवा में अचानक नीचे आने लगा। इस घटना के बाद यात्रियों में उथल-पुथल मच गई। बाद में विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया गया।

दरअसल, स्काईवेस्ट फ्लाइट 5971 ने एस्पेन से सामन्य तरीके से उड़ान भरी। करीब 90 मिनट तक सब कुछ ठीक रहा। इसके बाद विमान अचानक नीचे आने लगा, जिसके बाद विमान में सवार यात्री परेशान होने लगे। कई यात्रियों के नाक से खून आने लगा। वहीं, कुछ डर गए।

जानिए पूरा मामला- डेली बीस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्काईवेस्ट फ्लाइट 5971 अचानक बीच हवा में नीचे आने लगा। इस विमान में 39 यात्री सवार थे। उड़ान भरने के करीब 30 मिनट बाद ये घटना हुई।

अभी तक की जानकारी के अनुसार, विमान एक मिनट में अचानक 4000 फीट नीचे आया उसके छह मिनट बाद 25000 फीट नीचे आया। इसके कारण लोगों पैनिक हो गए। इसके बाद पायलटों ने विमान को ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया। जहां पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

विमान के भीतर मची अफरातफरी- बता दें कि केबिन में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान एक पायलट ने एअर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया कि हमें स्ट्रेचर की जरूरत पड़ेगी, और खून भी बह रहा है।

ऑस्टिन में विमान के सुरक्षित लैंडिंग के बाद आपतकालीन सेवाएं तुरंत पहुंचाई गई। घायल यात्रियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, यात्रियों ने केबिन में अफरा-तफरी का माहौल बताया, कुछ के सिर ऊपर लगे डिब्बों से टकरा गए, जबकि कुछ सीटों से जोर-ज़ोर से टकराए।

ट्रंप की नाराजगी नहीं हो रही कम! पहले 50% टैरिफ और अब दिल्ली का दौरा रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप के टैरिफ बम के बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध खराब होने लगे हैं। दोनों देशों के बीच कड़वाहट साफ नजर आने लगी है। ट्रंप भारत पर इक कदर चिढ़े हुए हैं कि उन्होंने इस साल के अंत में होने वाले भारत के दौरे को ही रद कर दिया है।

दरअसल, न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल भारत में आयोजित होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत नहीं आएंगे। बता दें कि अखबार ने सूत्रों के हवाले से कार्यक्रम के रद होने के संबंध में जानकारी दी है।

इस साल के अंत में भारत आने वाले थे ट्रंप- अमेरिकी अखबार में शनिवार को छपी रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पहले प्रधानमंत्री मोदी को सूचित किया था कि वह इस साल के अंत में भारत आएंगे। हालांकि, अब उन्होंने अपने इस दौरे को रद कर दिया है। हालांकि, इस संबंध में भारत या अमेरिकी सरकार के अधिकारियों से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। भारत इस साल के अंत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इससे पहले अमेरिकी प्रशासन ने इसी साल जनवरी में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की थी।

किम जोंग क्या पुतिन भी शरमा जाएं, ट्रंप की कैबिनेट मीटिंग में ऐसा क्या हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट बैठक हुई थी, जो काफी ज्यादा सुर्खियों में है। यह बैठक तीन घंटे से ज्यादा देर तक चली, लेकिन इसमें सरकारी कामकाज से ज्यादा ट्रंप की तारीफों का दौर चलता रहा।

कई कैबिनेट मंत्री के बयान कुछ ऐसे थे, जैसे ट्रंप कोई नेता नहीं बल्कि एक नायक हैं। व्हाइट हाउस के पूर्व प्रेस सचिव जेन साकी ने इस बैठक को चाटुकारिता करार दिया है। उन्होंने कहा कि चापलूसी इतनी ज्यादा थी कि इसे देखकर किम जोंग उन या व्लादिमीर पुतिन जैसे नेता भी शर्मा जाएं।

मंत्रियों ने की ट्रंप की चापलूसी- साकी ने कहा, ट्रंप ने खुद को ऐसे लोगों से घेर लिया है जो उन्हें पहले से ही तानाशाह की तरह मानते हैं। बता दें, बैठक के दौरान कई मंत्रियों ने ट्रंप की तारीफ में जमकर बयान दिए। मंत्री लॉरी शावेज-डेरीमर ने कहा कि वे चाहती हैं कि ट्रंप उनके विभाग आएं और वहां लगे उनके खूबसूरत चेहरे वाले बैनर को देखें। ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने ट्रंप को अमेरिकी सपनों को फिर से जिंदा करने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, आपके अभियान और संदेश ने लोगों को एहसास कराया कि अमेरिकी सपना मरा नहीं है, बस दबा हुआ था।

तो क्या सचमुच मारा गया हमास का चीफ मोहम्मद सिनवार? इजरायली पीएम नेतन्याहू के दावे का सच आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना ने कुछ महीने पहले हमास के चीफ मोहम्मद सिनवार को मारने का दावा किया था। हालांकि, हमास ने इन दावों पर अभी तक चुप्पी साध रखी थी, लेकिन अब हमास ने इजरायल के दावे पर मुहर लगा दी है।

हमास ने सिनवार की मौत से जुड़ी डिटेल्स तो शेयर नहीं की हैं, लेकिन हमास ने सिनवार के साथ कई अन्य नेताओं की तस्वीरें जारी करते हुए उन्हें शहीद बताया है।

इजरायल पर हमले का था मास्टरमाइंड- मोहम्मद सिनवार, याह्या सिनवार का छोटा भाई था। 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर किए गए हमले के मास्टरमाइंड की फेहरिस्त मोहम्मद सिनवार का नाम भी शामिल था।

इजरायली सेना ने पहले याह्या सिनवार को मौत के घाट उतारा। बड़ी भाई की मौत के बाद मोहम्मद सिनवार ने हमास की कमान संभाली, लेकिन बाद में इजरायली सेना ने उसकी भी हत्या कर दी।

इजरायली पीएम ने संसद में जानकारी देते हुए कहा था- हमने मोहम्मद सिनवार को खत्म कर दिया है। साथ ही हमने मोहम्मद दीफ, हसन नसरल्लाह, याह्या सिनवार जैसे हजारों आतंकवादियों का सफाया कर दिया है।

हमास ने की पुष्टि- वहीं, अब हमास ने इजरायली हमलों में मारे गए कुछ बड़े नेताओं की तस्वीरें साझा की हैं। इनमें मोहम्मद सिनवार की तस्वीर भी मौजूद है। बता दें कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सिनवार की मौत की घोषणा की थी।

क्या मेलानिया ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के लिए होंगी नॉमिनेट? अमेरिकी नेता के दावे से आया नया ट्विस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कई दिनों से दावा करते आ रहे हैं कि उन्होंने दुनिया के 7 युद्धों को बंद कराया है। इसके लिए वह नोबल शांति पुरस्कार के हकदार हैं। इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने इस मामले में ट्विस्ट ला दिया है।

दरअसल, फ्लोरिडा की रिपब्लिकन प्रतिनिधि अन्नपॉलिना लूना ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप और यूक्रेन से जुड़े शांति प्रयासों में उनकी भूमिका के लिए साल 2025 में नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया जा सकता है। अमेरिकी नेता के दावे ने एक नई बहस छेड़ दी है।

मेलानिया ट्रंप को शांति नोबल के लिए किया जाएगा नॉमिनेट- फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच संभावित शांति के प्रगति के पीछे मेलानिया एक प्रमुख कारण हो सकती है। उन्होंने कहा कि मेलानिया ट्रंप ने रूस के साथ अमेरिका डायलॉग में महत्वपूर्ण निभाई है। उन्होंने ये भी संकेत दिया कि मेलानिया यूक्रेन संघर्ष से संबंधित अमेरिकी मध्यस्थता में आगे भी शामिल हो सकती है।

पुतिन को भी मेलानिया ने लिखा था पत्र- गौरतलब है कि इसी महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच मुलाकात हुई थी। इस बैठक में यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की गई। हालांकि, बैठक के दौरान कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इस मीटिंग के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन को मेलानिया द्वारा लिखा गया पत्र सौंपा था।

हमें बोतल में करना पड़ा और..., हवा में प्लेन का टॉयलेट खराब होने पर पैसेंजर्स का हुआ बुरा हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाली से ब्रिसबेन जा रही ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट में अचानक टॉयलेट खराब हो गया। ऐसे में पैसेंजर्स को ना चाहते हुए भी बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। इसकी वजह से पूरी फ्लाइट में टॉयलेट की बदबू आने लगी और सफर के आखिरी तीन घंटे यात्रियों के लिए किसी बुरे सपने की तरह बीते।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एअरलाइंस की फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 ने गुरुवार को इंडोनेशिया के बाली से उड़ान भरी। फ्लाइट ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन जा रही थी। हालांकि मेंटेनेंस न होने के कारण फ्लाइट का टॉयलेट जाम हो गया था।

6 घंटे बाद बढ़ी मुश्किल- पैसेंजर्स के अनुसार, उड़ान भरने से पहले ही पीछे के टॉयलेट काम नहीं कर रहे थे। वहीं, विमान उड़ने के 6 घंटे बाद बाकी सभी शौचालयों ने भी काम करना बंद कर दिया। ऐसे में सफल के आखिरी तीन घंटे यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गए। मजबूरन उन्हें बोतल में पेशाब करनी पड़ी।

पैसेंजर ने सुनाई आपबीती- फ्लाइट में सफर करने वाले एक पैसेंजर ने बताया, एक बूढ़ी महिला बहुत कोशिशों के बाद भी टॉयलेट नहीं रोक पाई और उसको सबके सामने शर्मिंदा होना पड़ा।

पैसेंजर के अनुसार, आधी उड़ान के दौरान ही टॉयलेट खराब हो गए। लैंडिंग को तीन घंटे बचे थे। केबिन क्रू ने हमसे कहा कि आप बोतल या पहले से फुल टॉयलेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एअर इंडिया विमान के इंजन में आग की सूचना से हड़कंप, दिल्ली से इंदौर जा रही फ्लाइट की आपात लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के विमान की तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला।

जिसके बाद सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए विमान को वापस दिल्ली मोड़ा गया, जहां पर उसकी सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। बताया जा रहा है कि यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान में स्थानांतरित किया जा रहा है।

दिल्ली से इंदौर जा रही थी फ्लाइट- समाचार एजेंसी एएनआई ने एअर इंडिया के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि 31 अगस्त को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाली उड़ान AI2913, उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली लौट आई, क्योंकि कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला।

उन्होंने आगे बताया कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए, कॉकपिट क्रू ने इंजन बंद करने का फैसला किया और दिल्ली लौट आए, जहां विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। विमान को निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है, और यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान में स्थानांतरित किया जा रहा है, जो जल्द ही इंदौर के लिए उड़ान संचालित करेगा।

पहले भी आई कई दिक्कतें- गौरतलब है कि एअर इंडिया के कई विमानों में पिछले कुछ समय विमानों में तमाम तकनीकी समस्याओं के मामले सामने आए हैं। इससे पहले 18 अगस्त को कोच्चि एअरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एक उड़ान में दिक्कत आ गई, जिसके बाद विमान को टेकऑफ करने के तुरंत बाद वापस लैंडिंग करनी पड़ी।

30 साल बाद खुला राजकुमारी डायना का टाइम कैप्सूल, मिली अजीबोगरीब चीजें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजकुमारी डायना की मृत्यु के 30 साल से भी ज्यादा समय बाद, लंदन के एक अस्पताल में उनके द्वारा छोड़ा गया एक टाइम कैप्सूल खोदकर निकाला गया है। यह एक छोटा सा बक्सा है, जिसे दिवंगत वेल्स की राजकुमारी ने दफनाया था। डायना, वेल्स की राजकुमारी, ग्रेट ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की पहली पत्नी और वेल्स की राजकुमारी थीं।

राजकुमारी डायना लंदन स्थित ग्रेट ऑरमंड स्ट्रीट हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन की अध्यक्ष भी थीं। इस दौरान ही उन्होंने अपना कैप्सूल यहां छोड़ा था। इस कैप्सूल के अंदर 90 के दशक के शुरुआती जीवन की एक दिलचस्प झलक दिखाई दी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सीसे से बने लकड़ी के इस टाइम कैप्सूल की खोज एक नए बच्चों के कैंसर केंद्र के निर्माण के शुरू होने के बाद हुई।

कैप्सूल के अंदर यह मिला- इसके अंदर 90 के दशक के शुरुआती जीवन की एक दिलचस्प झलक थी। GOSH द्वारा बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1991 में जन्मे या उस वर्ष पहले से ही वहां कार्यरत कर्मचारियों ने इस कैप्सूल को निकालने में मदद की। इसमें एक पॉकेट-साइज टेलीविजन, काइली मिनोग की एक सीडी और कुछ पेड़ों के बीज थे।

बंगाल में एसआइआर की चर्चा से मचा हड़कंप, मुस्लिम बहुल जिलों में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लगी होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदाता सूची के संशोधन के लिए काम शुरू हो गया है। इस कड़ी में बंगाल के सीमावर्ती मुस्लिम बहुल जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर व दक्षिण दिनाजपुर में एसआइआर से पहले जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोगों में होड़ लगी है।

नगर पालिकाओं, ग्राम पंचायतों और अदालतों में लोग 10 रुपये प्रति स्टांप पेपर की सामान्य कीमत से दोगुना भुगतान करके जन्म प्रमाण पत्र को सही कराने, डिजिटल कराने या नए जारी कराने के लिए सुबह से ही कतार में खड़े दिख रहे हैं।

जल्द से जल्द जन्म प्रमाण पत्र लेना चाहते हैं लोग- लोगों ने बताया कि उन्हें डर यह है कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का अभियान चलाया जा सकता है। इसीलिए वे जल्द से जल्द जन्म प्रमाण पत्र लेना चाहते हैं।

मुर्शिदाबाद जिले की बरहमपुर नगर पालिका में फार्म संग्रह, सुधार, विलंबित नए जन्म प्रमाण पत्र और डिजिटलीकरण के लिए अलग-अलग अस्थायी कियोस्क हैं। बरहमपुर नगर पालिका के चेयरमैन नारुगोपाल मुखर्जी कहते हैं कि जन्म प्रमाण पत्रों के डिजिटलीकरण या सुधार के लिए रोजाना 10-12 आवेदन मिलते थे।

धर्मस्थल मामला: एक्टिविस्ट से क्या है शिकायतकर्ता का कनेक्शन? पुलिस को बताया दिल्ली ट्रिप का सच

नई दिल्ली (एजेंसी)। धर्मस्थल मंदिर परिसर में मानव कंकालों का रहस्य खोलने वाले शिकायतकर्ता सीएन चिन्नय्या ने दिल्ली जाने से लेकर एक्टिविस्ट टी.जयंत के साथ अपने कनेक्शन पर चुप्पी तोड़ी है। केस की जांच कर रही SIT चिन्नय्या को निरीक्षण के लिए महाजर (घटनास्थल) लेकर पहुंची थी। चिन्नय्या ने दावा किया है कि उसका कुछ कार्यकर्ताओं के साथ संबंध था।

महाजर में कई घंटों की पड़ताल के बाद SIT ने मास्क मैन नामक शिकायतकर्ता को CID के पास भेज दिया है। मास्क मैन ने पुलिस को एक अन्य सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश मत्तेन्नवर और तमिलनाडु में स्थित सलीम के घर का पता बताया। साथ ही पुलिस ने कार्यकर्ता टी.जयंत के घर पर भी तलाशी अभियान चलाया था।

क्या है पूरा मामला- टी.जयंत के अनुसार, मास्क मैन लगभग डेढ़ साल पहले एक कंकाल की खोपड़ी लेकर उनसे मिलने पहुंचा था। मृतकों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से टी.जयंत ने मास्क मैन को खाना और रहने के लिए छत दी। इसी बीच जयंत, मास्क मैन, गिरीश और सुजाता भट के साथ किराए की कार में दिल्ली भी गया था।

पड़ोसियों को है शक- जयंत का कहना है कि अगर यह अपराध है तो मैं सजा पाने के लिए तैयार हूं। मगर, मुझे SIT की तरफ से कोई नोटिस नहीं मिला है। वहीं, पड़ोसियों का आरोप है कि जयंत बेंगलुरु में ड्रग्स सप्लाई करता, जिसकी कई बार शिकायत भी की गई। मगर, पुलिस ने इस मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया। वहीं, जयंत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

सार्वजनिक स्थानों पर गाड़ी न चालने पर नहीं लगेगा टैक्स, मोटर वाहन कर को लेकर आंध्र प्रदेश सरकार को SC से झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मोटर वाहन कर पर बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि प्राकृतिक रूप से यह टैक्स देना जरूरी है। हालांकि, अगर कोई सार्वजनिक स्थान पर गाड़ी का इस्तेमाल नहीं कर रहा है, तो ऐसी स्थिति में गाड़ी का मालिक टैक्स देने के लिए बाध्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस मनोज मिश्रा और उज्जल भुयान की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। दरअसल दिसंबर 2024 में आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने इसपर फैसला सुनाया था, जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मोटर वाहन टैक्स देना अनिवार्य है। जो भी व्यक्ति रोड और हाईवे जैसे सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल कर रहा है, उसे यह टैक्स देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगर कोई सार्वजनिक स्थल पर वाहन नहीं चला रहा है, तो उसपर मोटर वाहन टैक्स नहीं लगेगा। हालांकि पब्लिक प्लेस पर गाड़ी चलाने वाले लोगों को यह टैक्स देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड का परिसर चारों तरफ से बंद हैं, जिसके अंदर कई वाहन चलते हैं। हालांकि वो RINL का परिसर है, कोई सार्वजनिक स्थान नहीं है। ऐसे में RINL उन गाड़ियों के लिए मोटर वाहन टैक्स नहीं देगा।

हाई कोर्ट ने सुनाया था फैसला

बता दें कि RINL के परिसर में लगभग 36 वाहन चलते हैं। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने इस परिसर को पब्लिक प्लेस न बताते हुए राज्य सरकार को आदेश दिया था कि मोटर टैक्स के नाम पर कंपनी से लिए 22,71,700 रुपये वापस किए जाएं।हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मगर, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

मैं पूरी दुनिया में मशहूर हो गया..., आवारा कुत्तों पर फैसला सुनाने वाले SC के जस्टिस विक्रम नाथ ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आवारा कुत्तों पर फैसला सुनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ का कहना है कि इस केस के कारण वो दुनियाभर में मशहूर हो गए हैं। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने यह केस देने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश गवई का शुक्रिया अदा किया है।

केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कॉन्फ्रेंस के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा अभी तक लोग मुझे कानून के क्षेत्र में काम करने के लिए जानते थे। मगर कुत्तों वाला केस मुझे सौंपने के लिए मैं CJI का बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इस केस के बाद पूरी दुनिया ने मुझे पहचान लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ की अगवाई वाली दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को सभी आवारा कुत्तों को दिल्ली एनसीआर से हटाने का आदेश दिया था। मगर, इस फैसले का विरोध होने के बाद 22 अगस्त को तीन जजों की बेंच ने इस मामले में रियायत दे दी।

जस्टिस विक्रम नाथ के अनुसार, लंबे समय से, मैं कानून के क्षेत्र में काम कर रहा हूं, लेकिन कुत्तों वाले केस के बाद मुझे न सिर्फ देश में बल्कि पूरी दुनिया में पहचान मिली है। मैं इस केस के लिए CJI का आभारी हूं।

जस्टिस विक्रम नाथ ने क्या कहा- जस्टिस विक्रम नाथ 2027 में देश के CJI बनने की कतार में हैं। आवारा कुत्तों वाले केस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, कुत्तों को प्यार करने वालों के अलावा मुझे कई सारे डॉग्स के भी मैसेज आ रहे हैं, जो मुझे शुक्रिया अदा कर रहे हैं।

आवारा कुत्तों पर स्ट का फैसला- 22 अगस्त को जस्टिस विक्रम नाथ की अगवाई वाली बेंच ने आवारा कुत्तों को वैक्सीन देने के बाद दोबारा उसी इलाके में छोड़ने का आदेश दिया था। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया भी इस बेंच का हिस्सा थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की यह रियायत बीज से संक्रमित कुत्तों पर लागू नहीं होगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल नवमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

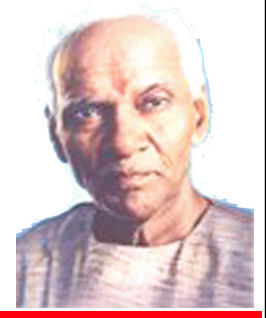

संपादकीय

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शादी केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि एक पवित्र संस्कार मानी जाती है...

भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शादी केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं बल्कि एक पवित्र संस्कार मानी जाती है। वेदों से लेकर पुराणों तक, गृहस्थ जीवन को धर्म का महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों और दो कुलों का मिलन माना जाता है। इसीलिए इसे सात फेरे, सप्तपदी मंत्र, कन्यादान, होम, आशीर्वाद और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सम्पन्न कराया जाता है। किंतु आज बदलते समय में विवाह के स्वरूप में गहरा बदलाव दिखाई दे रहा है। शादी समारोह,जो कभी अध्यात्म, त्याग, संस्कार और सामाजिक सामंजस्य का प्रतीक था,अब धीरे-धीरे दिखावे, पैसे की होड़, दहेज, शराब और भव्यता की दौड़ में सिमटता जा रहा है। यह बदलाव न केवल भारतीय संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सामने एक विकृत परंपरा स्थापित कर रहा है। इस विषय का विस्तार से डिस्कशन व विश्लेषण हम 5 प्वाइंटों के आधार पर करेंगे।

साथियों बात अगर हम विवाह एक पवित्र संस्कार- आध्यात्मिक और सामाजिक आयाम की करें तो,भारतीय संस्कृति में विवाह को सोलह संस्कारों में एक प्रमुख संस्कार माना गया है। यह केवल पति-पत्नी के शारीरिक या भावनात्मक संबंध का बंधन नहीं है, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की साधना का आधार है। विवाह का उद्देश्य केवल जीवनसाथी चुनना नहीं,बल्कि समाज में संतुलित,संस्कारित और धार्मिक जीवन की स्थापना करना है। सात फेरे, जिन्हें हर दंपति विवाह के समय अग्नि के साक्षी में लेता है, केवल शब्द नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए आजीवन वचन हैं।आज की पीढ़ी इन मंत्रों और वचनों की गहराई को समझे बिना केवल विवाह को ÷सोशल इवेंट÷ की तरह देखने लगी है। होटल, रिजॉर्ट, फार्महाउस और डेस्टिनेशन वेडिंग ने विवाह को पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारी के बजाय लक्ज़री इवेंट में बदल दिया है। यह बदलाव भारतीय समाज की मूल आत्मा के विपरीत है। साथियों बात अगर हम आधुनिकता का दंश और बदलती शादी की परंपरा व दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति की करें तो आधुनिकता अपने साथ तकनीकी विकास,वैश्विक संपर्क और नए अवसर लाती है।

परंतु इसका अंधानुकरण विवाह जैसे संस्कारों को विकृत कर रहा है। आज शादियाँ अधिकतर स्टेटस सिंबल बन गई हैं।(अ) लाखों- करोड़ों रुपए खर्च कर ÷शाही शादी÷ दिखाना अब फैशन बन चुका है। (ब) शादी समारोहों में शराब, डीजे, नाइट पार्टी और वेस्टर्न कल्चर की नकल आम हो गई है। (क) रिश्तेदारों और मेहमानों का सम्मान अब मेन्यू की विविधता और सजावट की भव्यता से आंका जाने लगा है, न कि आत्मीयता और आदर से।इस भौतिकवादी दृष्टिकोण ने विवाह की पवित्रता को गहरे तक प्रभावित किया है। जहां कभी विवाह का अर्थ ÷दो आत्माओं का आध्यात्मिक बंधन÷ था, वहीं आज विवाह का अर्थ ÷सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरें और वीडियो÷ बन गया है।दहेज और उपभोक्तावादी संस्कृति-विवाह का कुरूप चेहरा–दहेज प्रथा भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। स्वतंत्रता के बाद से लगातार प्रयासों के बावजूद यह कुरीति खत्म नहीं हुई। आधुनिकता और भौतिकतावाद ने इसे और मजबूत कर दिया है। आज शादी समारोह में गाड़ियों की डिमांड, महंगे गिफ्ट्स, कैश और प्रॉपर्टी की अपेक्षा खुलेआम की जाती है।दहेज न केवल विवाह के पवित्र बंधन को कलंकित करता है बल्कि यह महिलाओं के लिए अपमानजनक और अमानवीय स्थिति पैदा करता है। हजारों बेटियाँ आज भी दहेज के बोझ के कारण या तो शादी नहीं कर पातीं या शादी के बाद उत्पीड़न का शिकार होती हैं।

गुरु अमरदास

गुरु अमरदास सिक्खों के तीसरे गुरु थे, जो 73 वर्ष की उम्र में गुरु नियुक्त हुए। वे 26 मार्च, 1552 से 1 सितम्बर, 1574 तक गुरु के पद पर आसीन रहे। गुरु अमरदास पंजाब को 22 सिक्ख प्रांतों में बांटने की अपनी योजना तथा धर्म प्रचारकों को बाहर भेजने के लिए प्रसिद्ध हुए। वह अपनी बुद्धिमत्ता तथा धर्मपरायणता के लिए बहुत सम्मानित थे। कहा जाता था कि मुग़ल शंहशाह अकबर उनसे सलाह लेते थे और उनके जाति-निरपेक्ष लंगर में अकबर ने भोजन ग्रहण किया था। गुरु अमरदास के मार्गदर्शन में गोइंदवाल शहर सिक्ख अध्ययन का केंद्र बना।

परिचय- गुरु अमर दास जी सिक्ख पंथ के एक महान् प्रचारक थे। जिन्होंने गुरु नानक जी महाराज के जीवन दर्शन को व उनके द्वारा स्थापित धार्मिक विचाराधारा को आगे बढाया। तृतीय नानक गुरु अमर दास जी का जन्म 5 अप्रैल 1479 अमृतसर के बसरका गाँव में हुआ था। उनके पिता तेज भान भल्ला जी एवं माता बख्त कौर जी एक सनातनी हिन्दू थे। गुरु अमर दास जी का विवाह माता मंसा देवी जी से हुआ था। अमरदास की चार संतानें थी।

समाज सुधार- गुरु अमरदास जी ने सती प्रथा का प्रबल विरोध किया। उन्होंने विधवा विवाह को बढावा दिया और महिलाओं को पर्दा प्रथा त्यागने के लिए कहा। उन्होंने जन्म, मृत्यु एवं विवाह उत्सवों के लिए सामाजिक रूप से प्रासांगिक जीवन दर्शन को समाज के समक्ष रखा। इस प्रकार उन्होंने सामाजिक धरातल पर एक राष्ट्रवादी व आध्यात्मिक आन्दोलन की छाप छोड़ी। उन्होंने सिक्ख धर्म को हिंदू कुरीतियों से मुक्त किया, अंतर्जातीय विवाहों को बढ़ावा दिया और विधवाओं के पुनर्विवाह की अनुमति दी। उन्होंने हिंदू सती प्रथा का घोर विरोध किया और अपने अनुयायियों के लिए इस प्रथा को मानना निषिद्ध कर दिया।

लंगर परम्परा की नींव- गुरु अमरदास ने समाज में फैले अंधविश्वास और कर्मकाण्डों में फंसे समाज को सही दिशा दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने लोगों को बेहद ही सरल भाषा में समझाया की सभी इंसान एक दूसरे के भाई हैं, सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं, फिर ईश्वर अपनी संतानों में भेद कैसे कर सकता है। ऐसा नहीं कि उन्होंने यह बातें सिर्फ उपदेशात्मक रुप में कही हों, उन्होंने इन उपदेशों को अपने जीवन में अमल में लाकर स्वयं एक आदर्श बनकर सामाजिक सद्भाव की मिसाल क़ायम की। छूत-अछूत जैसी बुराइयों को दूर करने के लिये लंगर परम्परा चलाई, जहाँ कथित अछूत लोग, जिनके सामीप्य से लोग बचने की कोशिश करते थे, उन्हीं उच्च जाति वालों के साथ एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते थे। गुरु नानक द्वारा शुरू की गई यह लंगर परम्परा आज भी क़ायम है। लंगर में बिना किसी भेदभाव के संगत सेवा करती है। गुरु जी ने जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिये एक परम्परा शुरू की, जहाँ सभी जाति के लोग मिलकर प्रभु आराधना करते थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने हर उस व्यक्ति का आतिथ्य स्वीकार किया, जो भी उनका प्रेम पूर्वक स्वागत करता था। तत्कालीन सामाजिक परिवेश में गुरु जी ने अपने क्रांतिकारी क़दमों से एक ऐसे भाईचारे की नींव रखी, जिसके लिये धर्म तथा जाति का भेदभाव बेमानी था।

गुरुपद- गुरु अमरदास आरंभ में वैष्णव मत के थे और खेती तथा व्यापार से अपनी जीविका चलाते थे। एक बार इन्हें गुरु नानक का पद सुनने को मिला। उससे प्रभावित होकर अमरदास सिक्खों के दूसरे गुरु अंगद के पास गए और उनके शिष्य बन गए। गुरु अंगद ने 1552 में अपने अंतिम समय में इन्हें गुरुपद प्रदान किया। उस समय अमरदास की उम्र 73 वर्ष की थी। परंतु अगंद के पुत्र दातू ने इनका अपमान किया।

रचना- अमरदास के कुछ पद गुरु ग्रंथ साहब में संग्रहीत हैं। इनकी एक प्रसिद्ध रचना आनंद है, जो उत्सवों में गाई जाती है। इन्हीं के आदेश पर चौथे गुरु रामदास ने अमृतसर के निकट संतोषसर नाम का तालाब खुदवाया था, जो अब गुरु अमरदास के नाम पर अमृतसर के नाम से प्रसिद्ध है।

निधन- गुरु अमरदास का निधन 1 सितम्बर, 1574 को अमृतसर में हुआ था।

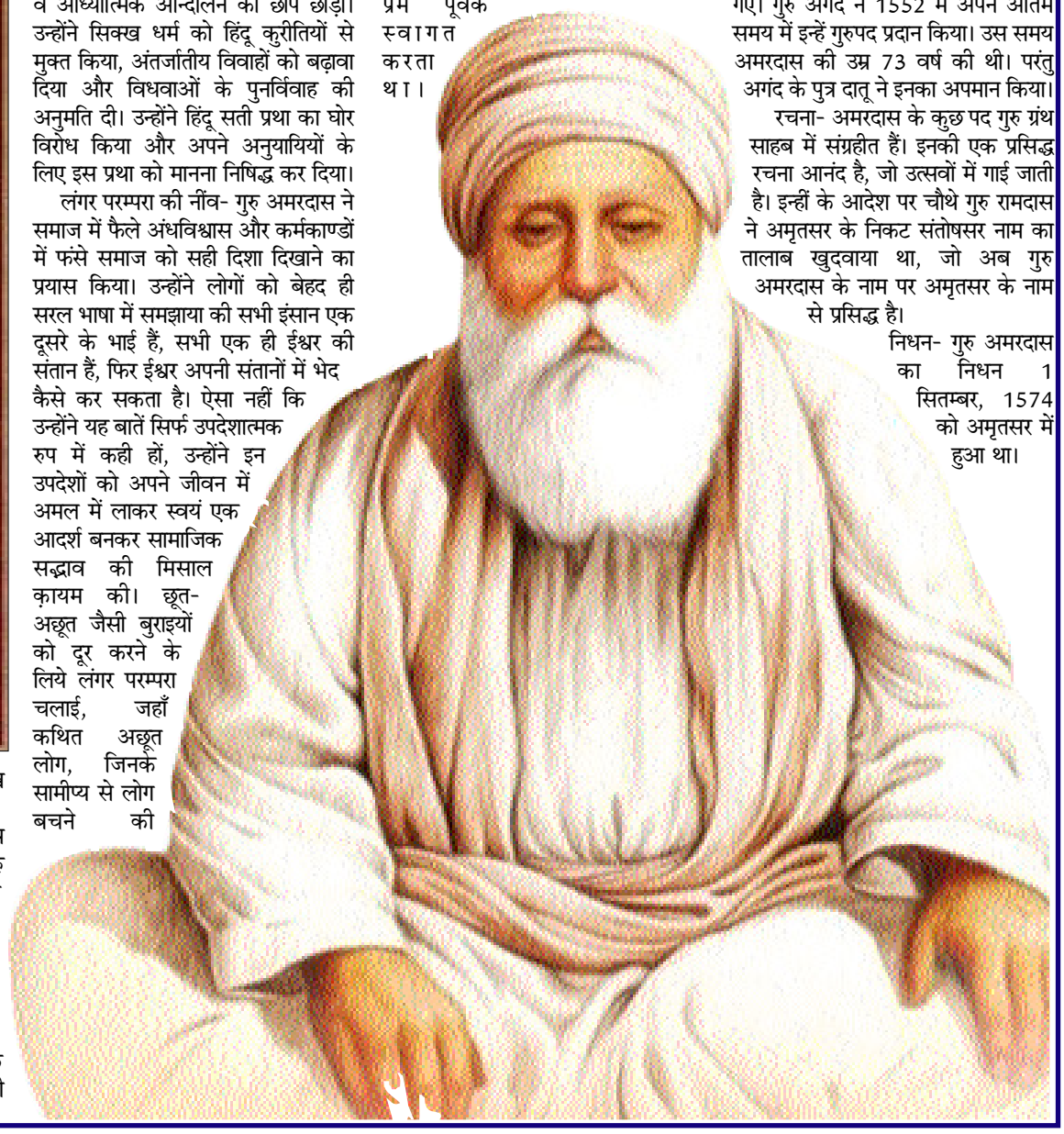

ट्रंप ने जितना टैरिफ वसूला है, सब लौटाना होगा? एक फैसला और मुसीबत में फंस जाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ग्लोबल टैरिफ पर कानूनी लड़ाई तब और तेज हो गई है। दरअसल अमेरिका की एक फेडरल अपील अदालत ने फैसला सुनाया कि ये टैरिफ इमरजेंसी कानून के तहत अवैध रूप से लगाए गए, जिससे वैश्विक कारोबार में अफरा-तफरी बढ़ गई।

ट्रंप प्रशासन इस फैसले के खिलाफ जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है। उनके पास ट्रेड कोर्ट के सामने मामले पर पुनर्विचार करने की अपील करने का भी ऑप्शन है। मगर यदि इस मामले का अंतिम फैसला ट्रंप के खिलाफ जाता है तो ये उनके ट्रेड एग्रीमेंट्स को उलट देगा। इससे भी बड़ा झटका ट्रंप के लिए ये होगा कि जितना भी टैरिफ सरकार को मिला है, वो सब लौटाना पड़ सकता है, जो कि सैंकड़ों अरब डॉलर हो सकता है।

फिलहाल जारी रहेंगे टैरिफ- वाशिंगटन में शुक्रवार रात न्यायाधीशों के एक पैनल ने 7-4 से ये फैसला सुनाया, जिसे ट्रंप सरकार के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि ये टैरिफ अभी बरकरार रहेंगे, क्योंकि जजों में से बहुमत ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के मई के उस फैसले को तो बरकरार रखा जिसमें कहा गया था कि टैरिफ अवैध हैं, लेकिन न्यायाधीशों ने मामले की सुनवाई जारी रहने तक टैरिफ को बरकरार रखा है, जैसा कि ट्रंप ने अनुरोध किया था। डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले राज्यों और छोटे बिजनेसों के एक ग्रुप द्वारा दायर इस मामले में कई ट्रिलियन डॉलर का ग्लोबल ट्रेड उलझा हुआ है।

टैरिफ जैसा शब्द कानून में ही नहीं- शुक्रवार को अमेरिकी संघीय सर्किट अपील न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप का IEEPA के तहत टैरिफ जारी करना गलत था। यह एक फेडरल कानून है जिसके बारे में पैनल का मानना है कि इसका इस तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए था। दरअसल, अदालत ने यह भी कहा कि कानून में टैरिफ या उसके किसी भी समानार्थी शब्द का जिक्र ही नहीं है।

महंगाई बढ़ेगी और नौकरियां खत्म होंगी

अमेरिकी जानकारों के अनुसा ये टैरिफ अमेरिकियों पर एक बोझ बन जाएंगे। इनसे देश भर में कामकाजी परिवारों और व्यवसायों के लिए लागत बढ़ेगी। नतीजे में महंगाई बढ़ेगी और नौकरियां खत्म होंगी। कोर्ट के आदेश में ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ भी शामिल हैं, जो 7 अगस्त को उन दर्जनों देशों पर लागू हुए थे, जो 1 अगस्त तक अमेरिकी सरकार के साथ व्यापार समझौता करने में विफल रहे।

तो क्या 24000 तक गिरेगा निफ्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त महीने में घरेलू शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया, और निफ्टी में 1.38 फीसदी की गिरावट आई। शुरुआत में निफ्टी 24,350 तक फिसला, लेकिन फिर तेजी से ऊपर चढ़ा। महीने के मध्य में, प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन और जीएसटी से जुड़ी घोषणाओं से बाजार में उत्साह बढ़ा, जिससे निफ्टी 25,000 के साइकोलॉजिकल लेवल को पार कर 25,150 के स्तर पर पहुँच गया। हालाँकि, यह रफ्तार जल्द ही थम गई, जिससे एक गिरावट वाला दौर आया, जिसने इंडेक्स को वापस 24,400 के स्तर पर ला दिया। इन उतार-चढ़ावों के बावजूद, निफ्टी अगस्त के अंत में लगभग 1% से थोड़ी अधिक गिरावट के साथ बंद हुआ।

कहां तक गिर सकता है निफ्टी- टेक्निकली, निफ्टी के लिए 25,150 का लेवल एक अहम अड़चन साबित हुआ, क्योंकि यह 25,600 से 24,300 तक की गिरावट के 61.8त्न फिबोनाची रिट्रेसमेंट से मेल खा रहा था। इस स्तर को न पार कर पाने के बाद निफ्टी ने 24,600 के गैप को पूरा किया और 24,350 के पास अपने मौजूदा लेवल की तरफ फिसल गया, जो एक महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल है। यहाँ एक और बड़ी गिरावट 200 DEMA और 200 DSMA के साथ संरेखित होकर गिरावट को 24,200-24,000 तक बढ़ा सकती है।

भारत से क्या-क्या खरीदता है चीन? साल 2024 में खूब मंगाई मछली, नमक, चाय-कॉफी, मसाले, सीमेंट और कपास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात वर्षों के बाद पहली बार शनिवार को चीन पहुंचे, जहां वह महत्वपूर्ण एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री एक सितंबर तक चीन में रहेंगे और उनकी चीनी राष्ट्रपति Xi Jinping के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी। दोनों नेता भारत-चीन आर्थिक संबंधों पर बातचीत और आपसी संबंधों को और सामान्य बनाने के लिए कदमों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

पीएम मोदी का चीनी दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी तक टैरिफ लगा दिया है और भारत अपने सामानों के निर्यात के लिए नए बाजारों पर फोकस कर रहा है। आइए जानते हैं चीन पहले से ही भारत से क्या-क्या खरीदता है।

साल 2024 में चीन ने कितना सामान खरीदा- इंटरनेशनल ट्रेड पर संयुक्त राष्ट्र COMTRADE डेटाबेस के अनुसार, साल 2024 के दौरान भारत ने चीन को 18 अरब डॉलर का सामान भेजा। ये भारतीय करेंसी में करीब 1.59 लाख करोड़ रु बनते हैं। चीन ने पिछले साल भारत से जो चीज सबसे ज्यादा मंगाई वो है अयस्क लावा और राख। चीन ने 3.54 अरब डॉलर का अयस्क लावा और राख मंगाई।

और क्या-क्या खरीदा चीन ने

कार्बनिक रसायन = 1.47 अरब डॉलर

इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट = 1.37 अरब डॉलर

मशीनरी, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर = 1.24 अरब डॉलर

मछली, क्रस्टेशियन, मोलस्क, जलीय अकशेरुकी - 1.15 अरब डॉलर

नमक, गंधक, मिट्टी, पत्थर, प्लास्टर, चूना और सीमेंट = 1.13 अरब डॉलर

पशु, वनस्पति वसा और तेल, क्लीवेज प्रोडक्ट = 867.96 मिलियन डॉलर

मोती, कीमती पत्थर, धातु, सिक्के = 866.92 मिलियन डॉलर

कॉफी, चाय, मेट और मसाले = 673.74 मिलियन डॉलर

बर्ड स्किन, पंख, कृत्रिम फूल, मानव बाल = 491.55 मिलियन डॉलर

क्या होता म्यूचुअल फंड न्यू फंड ऑफर? इसमें निवेश करना कितना जोखिम भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड न्यू फंड ऑफर एक ऐसी स्कीम है, जिसे म्यूचुअल फंड कंपनी पहली बार निवेशकों के लिए लॉन्च करती है। आसान भाषा में कहें तो यह एक नया म्यूचुअल फंड प्लान होता है, जिसमें लोग शुरुआती फेज में पैसा लगा सकते हैं। एनएफओ के दौरान फंड हाउस एक नई निवेश योजना पेश करता है, जिसमें निवेशकों से पैसा इकट्ठा किया जाता है, और फिर उस पैसे को शेयर बाजार, बॉन्ड्स या अन्य एसेट्स में निवेश किया जाता है।

एनएफओ आमतौर पर एक तय समय के लिए खुलता है, जैसे 10-15 दिन, और इस दौरान निवेशक इसमें यूनिट्स खरीद सकते हैं, ज्यादातर 10 रुपये प्रति यूनिट की कीमत पर।

IPO से क्या है समानता- एनएफओ को इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के जैसा माना जाता है, क्योंकि दोनों में कुछ समानताएं हैं। जैसे आईपीओ में कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर पब्लिक को बेचती है, वैसे ही एनएफओ में म्यूचुअल फंड कंपनी पहली बार अपनी नई स्कीम निवेशकों को ऑफर करती है।

दोनों ही मामलों में शुरुआती कीमत आमतौर पर कम होती है (आईपीओ में फेस वैल्यू और एनएफओ में 10 रुपये प्रति यूनिट)। इसके अलावा, दोनों में निवेशकों को शुरुआती दौर में शामिल होने का मौका मिलता है, जिससे कई लोग इसे आकर्षक मानते हैं।

चीन और भारत के बीच सीधी उड़ान पर प्रधानमंत्री मोदी ने लगा दी मुहर, इन एयरलाइंस के शेयरों पर रखें नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन पांच साल से अधिक समय के बाद सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। दुनिया की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती व्यापार अनिश्चितताओं के बीच राजनीतिक संबंधों को फिर से सुधारने की कोशिश कर रही हैं।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 साल बाद शनिवार को चीन पहुंचे। चीन में वे एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री एक सितंबर तक चीन में रहेंगे।

पीएम मोदी ने किया ऐलान- भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान की। हालांकि फिलहाल उन्होंने यह नहीं बताया कि भारत-चीन सीधी उड़ानें कब फिर से शुरू होंगी। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने मंजूरी मिलने के बाद दोनों देशों के बीच उड़ानें शुरू करने की इच्छा व्यक्त की है। एयर इंडिया लिमिटेड भी चीन के लिए उड़ानें फिर से शुरू कर सकती है।

एयरलाइंस शेयरों पर रखें नजर- चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू होने की खबर से सोमवार को एयरलाइन शेयरों में तेजी दिख सकती है। खासकर इंडिगो के शेयर में, जो कि चीन के लिए उड़ानें बंद होने से पहले, एयर इंडिया के अलावा चीन के लिए फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

किन रूट्स के जरिए पहुंचते हैं चीन- फिलहाल भारत से चीन के लिए डायरेक्ट फ्लाइट सस्पेंड हैं। इस वजह से लोग हॉन्ग-कॉन्ग और सिंगापुर के रास्त से चीन पहुंचते हैं।

मोतीलाल ओसवाल ने दी Stocks पर दांव लगाने की सलाह, हर शेयर पर होगी 5600 तक की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने अपनी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में 5 शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। इन शेयरों में Delhivery, Radico Khaitan, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, लेमन ट्री और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स शामिल हैं। आगे जानिए इन शेयरों के टार्गेट प्राइस।

Delhivery के शेयर का टार्गेट 540 रु है, जबकि शुक्रवार को इसका शेयर BSE पर 469.30 रु पर बंद हुआ था। यानी ये 14.6 फीसदी रिटर्न दे सकता है। डेल्हीवरी भारत की सबसे बड़ा 3PL एक्सप्रेस पार्सल लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 20% से अधिक है, और यह बढ़ती ई-कॉमर्स एक्सेस, जीएसटी-आधारित कंसोलिडेशन और बी2बी फॉर्मलाइजेशन से फायदा उठाने की स्थिति में है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हेल्थ सिस्टम का बुरा हाल! विदिशा में महिला ने सड़क पर दिया बच्चे को जन्म, लोडिंग वाहन से पहुंची अस्पताल

विदिशा। जिले के शमशाबाद तहसील क्षेत्र के बरखेड़ा जागीर में शनिवार रात को डिलीवरी के लिए अस्पताल जा रही एक महिला ने रास्ते में ही बच्चे को जन्म दे दिया। जानकारी के अनुसार गांव की 27 वर्षीय ममता बाई पति छगन सिंह बंजारा को प्रसव पीड़ा हुई तो ससुराल वाले उन्हें गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने निकले, लेकिन गांव का उप स्वास्थ्य केंद्र बंद मिला।

इसके बाद महिला का पति और ससुर उसे मोटरसाइकिल से 15 किलोमीटर दूर शमशाबाद अस्पताल लेकर जा रहे थे। तभी रास्ते में गिरधर मार्केट पहुंचते ही महिला को तेज दर्द हुआ और वहीं प्रसव हो गया। आसपास मौजूद नागरिकों ने मदद कर एक लोडिंग वाहन की व्यवस्था की और मां-बच्ची को शमशाबाद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल दोनों स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य केंद्र में लगे थे ताले, नहीं मिली मदद महिला के ससुर घीसा लाल बंजारा ने बताया कि रात में उनकी बहू को दर्द शुरू होने के बाद वह तुरंत गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां गेट पर ताला लगा हुआ था। पास के सरकारी क्वार्टर में रहने वाली सफाई कर्मी ने कहा कि अस्पताल बंद है आप शमशाबाद लेकर चले जाओ। घीसालाल ने कहा कि हमने उनसे एम्बुलेंस बुलाने या नंबर देने को कहा लेकिन नंबर भी नहीं दिया गया।

जब रास्ते में डिलीवरी हो गई तब शमशाबाद का अस्पताल 2 किलोमीटर दूर था। वह मोटरसाइकिल से अस्पताल पहुंचे। वहां की स्टाफ नर्स से एक वाहन उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन स्टाफ नर्स ने भी मदद नहीं की। हमसे कहा गया कि अपनी व्यवस्था से मां और बच्ची को अस्पताल लेकर आ जाओ। तब जाकर वहां एक लोडिंग वाहन मिला, जिस पर मां और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया।

स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ को दिया नोटिस

मामला सामने आने के बाद रविवार सुबह शमशाबाद तहसीलदार प्रेमलता पाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा जागीर का निरीक्षण किया। इस दौरान कर्मचारियों को 24 घंटे अस्पताल में रहने के निर्देश दिए, वही ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर नीतू राय ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

तीन जिलों में बनेंगे Oil Seed Hub, किसानों को मिलेगा उन्नत बीज का फायदा

ग्वालियर। प्रदेश में खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब प्रदेश के तीन जिले ऑयल सीड हब बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के तीन कृषि विज्ञान केन्द्रों में यह सीड हब स्थापित किए जाएंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने इसके लिए साढ़े सात करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। ये हब अलीराजपुर, शिवपुरी और ग्वालियर में शुरू किए जाएंगे।

फसलों के बीज तैयार किए जाएंगे-सीड हब के जरिए किसानों को तिलहन फसलों के उन्नत बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। यहां मूंगफली, सरसों, तिल और सोयाबीन जैसी प्रमुख तिलहन फसलों के बीज तैयार किए जाएंगे। यह कदम किसानों को बेहतर पैदावार के साथ-साथ अतिरिक्त कमाई का भी जरिया बनेगा। मूंगफली का बढ़ रहा रकबा पिछले कुछ वर्षों में मालवा क्षेत्र के अलावा चंबल के शिवपुरी इलाके में भी किसानों ने मूंगफली की खेती शुरू कर दी है। यहां मूंगफली का रकबा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन मांग के अनुरूप बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहे।

किसानों को मिलेगा फायदा-ऐसे में नई किस्मों की मूंगफली बीज उत्पादन की दिशा में यह सीड हब किसानों की बड़ी जरूरत पूरी करेगा। अलीराजपुर में तिल सीड हब और ग्वालियर में सोयाबीन, सरसों, तिल और मूंगफली सीड हब बनेगा। सीड हब से किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण बीज मिलेंगे। इससे उनकी उपज बढ़ेगी और आय में भी इजाफा होगा। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल न केवल प्रदेश को तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगी।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने आयल सीड हब बनाने के लिए राशि मंजूरी कर दी है। यह हब किसानों के लिए फायदेमंद साबित होंगे। उन्हें बाजार से बीज नहीं खरीदना पड़ेगा इससे उनकी लागत कम होगी।

- डॉ. संजय शर्मा डायरेक्टर, रिसर्च, कृषि विश्वविद्यालय

प्राइवेट स्कूलों में गरीब बच्चों की पढ़ाई पर गहराया संकट, नहीं मिली दो साल की राशि

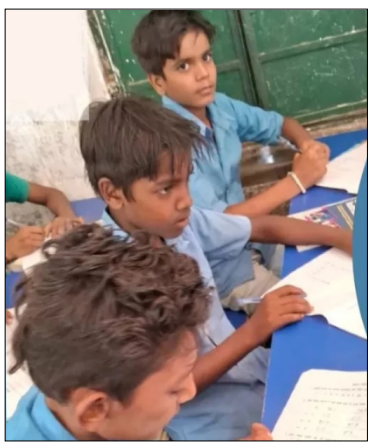

ग्वालियर। आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों में गरीब व वंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। इन छात्रों की फीस शासन की ओर से स्कूलों को दी जाती है। जिले के प्राइवेट स्कूलों को आरटीई की फीस प्रतिपूर्ति दो साल से नहीं मिली है। प्राइवेट स्कूलों का शासन के पास करीब 20 करोड़ की राशि अटकी हुई है। ऐसे में आगामी समय में आरटीई के तहत स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों पर असर पड़ सकता है। आरटीई के तहत हर प्राइवेट स्कूल को अपने स्कूल की पहली कक्षा में 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब व वंचित वर्ग के छात्रों को प्रवेश देना होता है। इन छात्रों की फीस शासन स्तर से सीधे स्कूलों को दी जाती है।

सत्र 2023-24 की प्रक्रिया पूरी, खातों में नहीं पहुंची राशि

जिला शिक्षा केंद्र से सत्र 2023-24 की आरटीई फीस की प्रतिपूर्ति के लिए 796 प्रपोजल बनाए गए और भुगतान के लिए राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल भेजे गए हैं। इन प्रपोजल की राशि करीब 11 करोड़ है। लेकिन राज्य शिक्षा केंद्र से इस सत्र की फीस प्रतिपूर्ति स्कूलों के खातों में नहीं पहुंची है। सत्र 2024-25 के भुगतान के लिए प्रकिया धीमी आरटीई के तहत 2024.25 के लिए फीस की प्रतिपूर्ति के लिए प्रक्रिया तो चल रही है, लेकिन अभी तक प्रपोजल सत्यापित नहीं हो पाए हैं। इस साल के लिए भी करीब 10 करोड़ की राशि प्राइवेट स्कूलों को मिलना है। प्रस्तावों का सत्यापन करने के लिए नोडल अफसरों की नियुक्ति न होने की वजह से प्रक्रिया काफी धीमी चल रही है। जबकि अब सत्र 2025-26 भी शुरू हो चुका है।

दुकानदार को ठगों ने लगाया चूना, सोने के नाम पर दे गए पीतल की माला, हड़पे 7 लाख

जबलपुर। विजय नगर थाना क्षेत्र निवासी एमपीईबी के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को दो युवकों ने सोना बताकर पीतल की गुरिया वाली माला पकड़ाया। उसे गिरवीं रखने का बोलकर बदले में मिले लिए सात लाख रुपये हड़प लिए। आरोपितों ने ठगी से पहले सेवानिवृत्त कर्मी को विश्वास में लिया। फिर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया।

कर्मचारी को ठगों ने ऐसे फंसाया-एकता नगर निवासी प्रकाश नारायण दुबे (64) एमपीईबी के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। उनके घर में कॉस्टमेटिक की दुकान है। वह भी खाली समय पर दुकान में बैठते है। 25 जुलाई को जब वह दुकान में थे, दो युवक पहुंचे। दोनों ने उसने बातचीत की। दुकान से कुछ सामान खरीदा और चले गए। अगले दिन दोनों फिर युवक पहुंचे। सेवानिवृत्त कर्मी से जान पहचान बढ़ाई और चले गए। 27 जुलाई को सेवानिवृत्त कर्मी जब दुकान पर थे, दोनों युवक फिर पहुंचे। इस पर उनके पास में सोने की दो गुरिया थी। बोले कि उनकी मां अस्वस्थ्य है। उन्हें उपचार के लिए रुपये चाहिए है। सेवानिवृत्त कर्मचारी ने जांचा तो दोनों गुरिया सोने की थी। उसने बदले में रुपये उधार दे दिए। ऐसा करके दोनों शातिर युवकों ने सेवानिवृत्त कर्मी पर विश्वास जमा लिया।सोना बताकर थमाई पीतल की माला

एक अगस्त को फोन कर बताया कि मां को इलाज के लिए बाहर लेकर जाना पड़ रहा है। उनके पास में 15 तोला सोना है। उसे गिरवीं रखकर रुपये लेना है। सात लाख रुपये की आवश्यकता होना बताया। 15 तोला सोना गिरवीं रखकर बदले में सात लाख रुपये देने को सेवानिवृत्त कर्मी तैयार हो गया।

तब दोनों युवकों ने उसे दीनदनयाल चौक अंतरराज्यीय बस अड्डा के प्रवेश द्वार के पास रुपये लेकर बुलाया। वह जैसे ही पहुंचे उनसे रुपये लेकर सोने जैसे दिखने वाली गुरिया की एक माला थमा दिया। जिसे घर में आकर जांचा तो वह पीतल की निकली। पुलिस ने जांच के बाद शुक्रवार की रात को एफआईआर पंजीबद्ध किया है। सीसीटीवी फुटेज देखकर दोनों आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

रोड एक्सीडेंट में जीआरपी ASI की मौत, तेज रफ्तार बस ने मारी टक्कर

दमोह। शहर के क्रिश्चियन कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाले जीआरपी सहायता केंद्र दमोह के प्रभारी महेश कोरी की रविवार सुबह करीब 9 बजे सड़क हादसे में मौत हो गई। एएसआई कोरी सुबह अपनी ड्यूटी पर वारंट तामील के लिए बाइक से निकले थे। शहर के बीचों बीच जबलपुर से सागर जाने वाले मुख्य मार्ग पर किल्लाई नाका चौराहे के पास एक यात्री बस चालक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।

अस्पताल में हुई मौत-हवा में उछलकर करीब 15 फीट दूर गिरे एएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही कोतवाली टीआई मनीष कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने मृतक एएसआई कोरी के परिजनों को सूचना दी।परिजनों ने कहा- प्रशासन करे कड़ी कार्रवाई एएसआई महेश कोरी के भाई लखन कोरी ने बताया कि वह सुबह करीब 8 बजे घर से निकले और सड़क पर पहुंचते ही यह हादसा हो गया। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि शहर के भीतर तेज रफ्तार बसों पर नियंत्रण किया जाए। इस मार्ग पर कई स्कूल है जहां बच्चों का आवागमन होता रहता है। प्रशासन को कड़े फैसले लेकर इस लापरवाही पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, ताकि हमारे परिवार की तरह किसी और दूसरे के परिवार को इस तरह का दुख ना झेलना पड़े।आरोपी चालक की तलाश जारी

कोतवाली टीआई ने बताया कि बस को जब्त कर लिया गया है। आरोपी चालक फरार हो गया है उसकी तलाश की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

देश में 5700 से अधिक ब्लाक डार्क जोन में जा चुके

हालात ऐसे ही रहे तो पीने के पानी को तरसेगी दुनिया - गोयल

इंदौर। जल संरक्षण के निमित्त जल चालीसा लिखने वाले जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर सभ्यता व बढ़ती जनसंख्या के कारण जंगल कम होते जा रहे हैं। असंख्य वृक्ष काटने व मशीनीकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है। परिणाम स्वरूप जलवायु परिवर्तन हो रहा है जिसके कारण या तो अति वर्षा होती है जो बाढ़ के रूप में विनाश करती है या वर्षा कम होती है जिससे नदियों में जल घटता जा रहा है।

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए सिरसा हरियाणा के श्री गोयल ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2012 में हनुमान चालीसा की तर्ज पर जल चालीसा लिखा है जिसकी हजारों प्रतियां वितरित की जा चुकी हैं। जल चालीसा को संगीतकार महावीर मुकेश के निर्देशन में गायिका पूर्णिमा ने गाया भी है। उन्होंने 108 चौपाईयों वाले जल मनका और बिन पानी सब सून पुस्तक भी लिखी है।

उन्होंने कहा कि देश की अधिकाँश नदियों में कूड़ा-कर्कट, गन्दगी व जहरीला कचरा डाला जा रहा है जो पीने के पानी की कमी को और बढ़ा रहा है। जल आपूर्ति के लिए नलकूपों द्वारा अधिक भूजल दोहन के कारण भूजल स्तर गिरता जा रहा है। प्रतिदिन आने वाले भूकम्प के कारणों में अति भूजल दोहन भी एक मुख्य कारण है।

उन्होंने बताया कि देश के 5723 जल ब्लाकों में से 60 प्रतिशत से अधिक डार्क जोन में जा चुके हैं और शेष तेजी से डार्क जोन की ओर बढ़ रहे हैं। भारत सहित पूरे विश्व में घोर पेय जल संकट उत्पन्न हो रहा है और प्राणी का जीवन खतरे में पड़ रहा है। यदि यही स्थिति रही तो 2030 तक आधी आबादी को पीने का पानी नहीं मिलेगा। चेन्नई में भूजल समाप्त होना, साउथ अफ्रीका की राजधानी केपटाउन में पानी समाप्त होना, आस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मार देना जैसी कुछ ऐसी घटनाएं हैं जो स्पष्ट रूप से जल की कमी के कारण होने वाली भयावह स्थिति की ओर इंगित करती है।

उन्होंने कहा कि देशवासी ÷मैं क्या कर सकता हूं÷ के भाव को लेकर चिंतन करें व पानी बर्बाद न करने का संकल्प करें। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्षा जल संग्रहण, रेन वाटर हारवैस्टिंग व रिचार्जर के द्वारा पानी की कमी को कुछ कम किया जा सकता है। खेती में फव्वारा सिंचाई पद्धति का प्रयोग करें तथा अधिक पानी खपत वाली ऊपज धान व गन्ना के बजाय तैलीय व दलहन की खेती करें तथा तम्बाकू की खेती बिल्कुल न करें। संकल्प करें कि टोंटी कभी भी बेकार नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के इस नारे को साकार करें कि वर्षा का जल, जहां भी गिरे जब भी गिरे, संग्रहित करें ताकि यह कहने की स्थिति ना आये - एक था राजा एक थी रानी और एक था पानी।

परिवहन विभाग द्वारा वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल नम्बर अपडेशन के लिये अभियान

इंदौर। प्रदेश में वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इंफोर्मेशन सेन्टर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं। वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है।

आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा दर्ज दस्तावेज और आधार से आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज नाम का सत्यापन किया जाता है। अप्रूवल के बाद मोबाइल नंबर डेटाबेस में अपडेट हो जाता है। अपडेड प्रक्रिया को विस्तृत रूप से स्क्रीन शॉट के माध्यम से समझाने के लिए मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के पोर्टल के होमपेज पर लिंक उपलब्ध कराई गई है।

धार्मिक पर्यटन के लिए सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश आए - मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत अभियान चल रहा है। राज्य सरकार भी इस अभियान में हरसंभव सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पर्यटन विकास को रोजगार से जोड़ा है। पर्यटन बढ़ता है, तो लोगों को रोजगार के नए-नए अवसर मिलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश में पर्यटन क्षेत्र बहुत तेजी से विकास कर रहा है। इसमें मध्यप्रदेश भी पीछे नहीं है। गत वर्ष धार्मिक पर्यटन के लिए देश में सर्वाधिक पर्यटकों ने मध्यप्रदेश को ही चुना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को जारी संदेश में कहा कि हमारी सरकार सभी क्षेत्रों को समान रूप से बढ़ावा दे रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की गई है। इससे पहले रीवा और उज्जैन में टूरिज्म को लेकर ऐसी ही कॉन्क्लेव आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समृद्ध वन क्षेत्र और वन्य जीव पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। कूनो में देश का पहला राष्ट्रीय चीता अभ्यारण्य है। साथ ही चंबल नदी के आसपास घड़ियाल अभ्यारण्य भी है। कछुओं की लुप्त प्रजातियों का भी संरक्षण मध्यप्रदेश में किया जा रहा है। माधव नेशनल टाइगर पार्क को इसी साल लोकार्पित किया गया है।

रोशनी में आयोजित संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में 9219 मरीजों का हुआ उपचार

इंदौर। इंदौर संभाग के दुर्गम पहाड़ी अंचलों में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह में शनिवार और रविवार को आयोजित हो रहे शिविरों में 30 अगस्त को खंडवा जिले की ग्राम रोशनी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। इस मेगा स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के राज्य मंत्री श्री डीडी उइके और मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई ÷आयुष्मान भारत योजना÷ देश के करोड़ों गरीब परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़े-बड़े शहरों के जाने माने प्राइवेट अस्पतालों में अपने आयुष्मान कार्ड की मदद से एक साल में 5 लाख रुपए तक का उपचार निशुल्क करवा सकता है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन बी गौ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ओ पी जुगतावत, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रमिला सिलारे और श्रीमती जमुना बाई खालवा की जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और हरसूद के एसडीएम श्री रमेश खतेड़िया, नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल, सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल खालवा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कटारिया व अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने इस अवसर पर कहा कि हम योग को अपना कर और स्वस्थ जीवन शैली की मदद से स्वस्थ रह सकते हैं, और बीमारियों से मुक्ति पा सकते हैं । उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि आज के शिविर का भरपूर लाभ उठाएं और अपने परिवारजनों की बीमारियों का उपचार निशुल्क करवाएं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़े बड़े प्राइवेट अस्पतालों में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वृद्धजनों का एक वर्ष में 5 लाख रुपए तक का निशुल्क उपचार करने की सुविधा सरकार ने दी है।

राष्ट्रीय आयुष मिशन के आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रम आयुर्विद्या का आयोजन

इंदौर। राष्टीय आयुष मिशन के आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रम आयुर्विद्या के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) सगडौद में डॉ. सोनाली ठाकुर, सी.ए.एम.ओ. डॉ. गौरव जोशी, कंपाउंडर श्री सुनील कलमे के सहयोग से स्वास्थ्य जागरुकता गतिविधियां संपन्न की गई।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय सगडौद में आयुष चिकित्सक डॉ. अनुराग भट्ट द्वारा 67 छात्र-छात्राओं को दिनचर्या, ऋतुचर्या आधारित आहार शिक्षा की विस्तृत जानकारी, औषधीय पौधों का दैनिक जीवन में महत्व, योगाभ्यास का महत्व, प्रश्नोत्तरी एवं खेल-खेल में आयुर्वेद शिक्षा की गतिविधि संचालित की गई।

वयोमित्र एवं मस्कुलोस्केलेटल व्याधियां कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. नितिन सोनी द्वारा 23 वृद्धजनों को वृद्धावस्था जन्य व्याधियों, उनसे बचाव एवं आयुर्वेदिक उपचार के बारे में जागरूक किया गया, योग गतिविधियों एवं स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने के लिए वर्षाऋतुजन्य रोग, दिनचर्या ऋतुचर्या के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई ।

श्रमिकों के लिए मूसाखेडी में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न

इंदौर। कार्यालय सहायक श्रमायुक्त द्वारा मोटर यातायात श्रमिक अधिनियम अंतर्गत आज शनिवार को मूसाखेडी में प्रातः 10 बजे से हंस ट्रेवल्स, इन्दौर में कार्यरत मोटर यातायात श्रमिकों के लिये नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में श्रमिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जाँच की व्यवस्था की गई । लगभग 100 से अधिक श्रमिकों द्वारा अपना नेत्र परीक्षण कराया गया। श्रमिकों को उचित परामर्श भी दिया गया तथा श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अधिनियमों के प्रावधानों की जानकारी दी गई। शिविर में ई-श्रम कार्ड त्वरित बनाये गये। सहायक श्रमायुक्त सुश्री मेघना भट्ट ने बताया गया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ गिंग/प्लेटफार्म श्रमिकों सहित सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के प्रभावी वितरण के लिए एक व्यापक राष्टीय डेटा बेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। जिसकी जागरूकता शिविर के अंतर्गत् श्रम निरीक्षक दलों द्वारा इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत गिंग प्लेट फार्म श्रमिकों को ई-श्रम कार्ड / संबल पंजीयन बनाये जाने हेतु जानकारी प्रदाय की गई । जिनमें से ज़ेप्टो, बड़ी भमोरी इंदौर, ब्लू डार्ट योजना क्रमांक 54 इंदौर, नियो गो, मैकेनिक नगर, इंदौर में ई-श्रम पंजीयन की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की गई । साथ ही श्रमिकों के ई -श्रम कार्ड बनाकर दिये गये । शिविर में विशेष रूप से मोटर परिवहन श्रमिक अधिनियम, 1961 (मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स एक्ट 1961) के अंतर्गत श्रमिकों को प्रदत्त सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (हेल्थ × सेफ्टी) प्रावधान, कार्य के घंटे एवं विश्राम, अवकाश (ऑवर्स ऑफ़ वर्क × रेस्ट इंटरवल्स), वार्षिक अवकाश (एनुअल लीव विथ वेजेस), कल्याण सुविधाएँ जैसे कैंटीन, प्राथमिक चिकित्सा एवं आराम कक्ष के बारे में विस्तार से समझाइश दी गई।

बताया गया कि अधिनियम के अनुसार मोटर यातायात श्रमिकों के स्वास्थ्य की देखभाल एवं कल्याण नियोक्ता की जिम्मेदारी है। श्रम विभाग समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जागरूकता कार्यक्रम एवं निरीक्षण के माध्यम से श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है।

ग्राम पंचायत बांक में जिला पंचायत का नवाचार : कचरे से कमाई, आत्मनिर्भरता की ओर कदम

इंदौर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने आज इंदौर प्रवास के दौरान ग्राम पंचायत बांक स्थित सामग्री पुनर्चक्रण सुविधा (स्त्रक्त्र) प्लांट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत जिला पंचायत द्वारा किये जा रहे नवाचार के तहत ग्राम पंचायत द्वारा अपनाए जा रहे कचरा प्रबंधन एवं पुनर्चक्रण की संपूर्ण जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने अवगत कराया कि इस केंद्र के माध्यम से 3700 घरों, 425 दुकानों, स्कूलों, मैरिज गार्डन एवं अस्पतालों से प्रतिदिन लगभग 800 किलो सूखा कचरा एकत्रित किया जाता है। इसका वैज्ञानिक निपटान कर पंचायत न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही है, बल्कि आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रही है।

जानकारी के अनुसार, इस प्रक्रिया पर प्रति माह लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये का व्यय होता है, जबकि खर्च निकालकर पंचायत को 70 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। यह पहल ग्राम पंचायत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण है।

भ्रमण के दौरान मंत्री श्री पटेल के साथ स्थानीय विधायक श्री मधु वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन, जनपद स्तरीय अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में स्वस्थ्य रहने के उद्देश्य से तीन दिवसीय खेल का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने निकाली साईकिल रैली

उज्जैन। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नईदिल्ली भारत सरकार एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन मध्यप्रदेश के निर्देश पर व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी की स्मृति में बच्चों, छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को स्वस्थ रहने के लिये प्रतिदिन खेलकूद गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय खेल दिवस का आयोजन किया गया।

रविवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संस्था सोसायटी ऑफ ग्लोबल साईकल एवं संस्था उज्जैन ड्रिस्ट्रिक्ट साईकलिंग एसोसिएशन के सहयोग से स्ह्वठ्ठस्रड्ढ4ह्य शठ्ठ ष्4ष्द्यद्ग (सण्डे ऑन साईकिल) कार्यक्रम तरणताल चौराहा उज्जैन पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जुम्बा, पुश-अप, रस्सीकूद एवं साईकिल रैलिंग जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा एवं संजय अग्रवाल उपस्थित हुये।

अतिथियों द्वारा आम नागरिकों से सही भोजनशैली अपनाने एवं प्रतिदिन खेलकूद गतिविधियों से जुड़े रहने की अपील गई, ताकि हमारे शहर, प्रदेश व देश स्वस्थ बन सके। नगर निगम सभापति द्वारा प्रतिभागियों को साईकिल के प्रति जागरूक रहने पर बधाई दी एवं प्रत्येक घर में, मोहल्ले, कॉलोनी आदि में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं संजय अग्रवाल द्वारा साईकिल चलाकर अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी बसंत दत्त षर्मा, बी.एस.देवलिया, संस्था सोसायटी ऑफ ग्लोबल साईकल के अध्यक्ष उत्कृर्श सिंह सेंगर, संस्था उज्जैन ड्रिस्ट्रिक्ट साईकलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. उदित सिंह, फ्लाई फिटनेस जोन से रितेश सोनतानी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

समाजसेवी अनिल बारोड भोपाल में सम्मानित

अनिल बारोड़ द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह, चिकित्सा शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि सेवाओं को सराहा

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज मालीपुरा उज्जैन शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी अनिल बारोड का संयुक्त माली सैनी मरार समाज भोपाल द्वारा आयोजित युगपुरुष स्व श्री राम जी महाजन की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समाजसेवी सम्मान समारोह में प्रदेश स्तर पर चयन किया जाकर सम्मानित किया गया। समारोह में दिनेश परमार तराना का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मालती राय महापौर भोपाल, किशन सूर्यवंशी अध्यक्ष नगर निगम भोपाल, पी सी शर्मा पूर्व मंत्री थे। अध्यक्षता जी पी माली पूर्व अपर कलेक्टर एवं समाज अध्यक्ष द्वारा की गई।

कार्यक्रम संयोजक रामनारायण चौहान, जगदीश सैनी, हरि सिंह सैनी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में अनिल बारोड कि विगत वर्षों की समाजसेवा, प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने, चिकित्सा शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि सेवाओं को सराहा गया। उन्हें सम्मान पत्र मोमेंटो शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर योगेश चौहान, दिनेश परमार, सत्यनारायण चौहान पार्षद, अनिल चौहान, मुकेश हारोड़, विशाल चौहान, पुरुषोत्तम विष्णु, प्रेमनारायण परमार अध्यक्ष गुजराती माली समाज मध्यप्रदेश लीलाधर जीआढ़तियां, शिवनारायण जागीरदार, हेमन्त बारोड, गजानन रामी, घनश्याम पटेल, हेमा बेन, विद्या डोडिया, प्रेमलता रामी पार्षद, गीता रामी, रेखा गहलोत, शिवाकांत परमार, हेमलता बारोड, कमलाबाई पटेल, मंजू हारोड़, विकास परमार, देवेन्द्र पटेल सहित कई समाज सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

19वां अ.भा. संजा लोकोत्सव 7 सितम्बर से

उज्जैन। मालवा की बहुरंगीय लोक संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित 19वां अ.भा. संजा लोकोत्सव 7 से 14 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। लोकोत्सव का प्रारंभ वृहद स्तर पर लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रतियोगिता से अभिरंग नाट्यगृह कालिदास अकादमी में प्रातः 10 बजे से होगा। संस्था की मानसेवी निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने बताया कि 7 सितंबर को होने वाली एकल व सामुहिक लोकनृत्य प्रतियोगिता चार आयु वर्गो मे आयोजित होगी। प्रथम 4 से 9 वर्ष तक, द्वितीय 10 से 15 तक वर्ष तक, तृतीय 16 से 25 वर्ष तक, चतुर्थ 25 से अधिक आयु वर्ग में तथा सामूहिक लोकगीत प्रथम आयु वर्ग 13 वर्ष तक द्वितीय 13 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थी के मध्य होगी एवं तृतीय व्यावसायिक दल जिसमे आयु बंधन नहीं है।

वर्तमान सामाजिक परिस्थिति को दर्शाते नाटक मैत्र बन प्लाट नंबर 200 का हुआ मंचन

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज, टिळक स्मृती मंदिर में श्री गणेशोत्सव के चौथे दिन 30 अगस्त को अस्मिता नाट्य सेवा संस्था उज्जैन द्वारा नाटक मैत्रबन प्लॉट नं. 200 की 10वीं सफल प्रस्तुति दी गई।

श्री गणपति उत्सव के सचिव संजय दिवटे के अनुसार कै. डॉ अपर्णा जोशी द्वारा लिखित इस नाटक में विदेश में बसे बच्चों और देश में रह रहे माता पिताओं की भावनाओं और समानता के संदेश को भावुकता और हास्य से मिलेजुले संवादों के साथ बेहतरीन और दिल को छूने वाली प्रस्तुति दी गई। खचाखच भरे समाज के हॉल में विराजमान दर्शकों ने संपूर्ण नाटक को मनोयोग से देखा और समय समय पर तालियों की गूंज से नाटक की प्रस्तुतीकरण को दाद दी। सभी कलाकारों ने उत्तम अभिनय किया। विशेषकर नवोदित कलाकार यश बीवरे और पूर्ति करंदीकर अपने अभिनय से दर्शकों की प्रशंसा के विशेष पात्र बन पाए।

दीप प्रज्वलन सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, प्रमुख अतिथि विजय घाटपांडे एवं संयुक्त संचालक उद्योग श्रध्दा गोखले, गिरीश भालेराव, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुभाष मुजुमदार ने किया। इस नाटक में दिग्दर्शन नीता कुकडे ने किया। रंग मंच व्यवस्था सुधीर कुकड़े, रंगमंच सज्जा यश चुनकर, यश बिवरे और पूर्ति करंदीकर साथ ही प्रापर्टी मैनेजर अतुल मुजुमदार ने भी अपना कार्य बखूबी निभाया। कार्यक्रम में समाजसेवी हेमंत आगरकर का सम्मान गणेश उत्सव समिति द्वारा किया गया।

उज्जैन में हुआ निरंकारी मिशन का जोन स्तरीय महिला समागम

महिलाओं ने सुनी गुरु वाणी, गीत, भजन, कविताओं और विचारों के माध्यम से सत्गुरू माता सुदीक्षाजी महाराज की शिक्षाओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी

उज्जैन। उज्जैन में निरंकारी मिशन का जोन स्तरीय महिला समागम आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों महिलाओ द्वारा महिला समागम में भाग लिया ओर गुरु बहन को सुन अपने जीवन को धन्य किया।

उज्जैन जोन के राजकुमारजी ने बताया कि पूरे देश में निरंकारी मिशन द्वारा महिला समागम आयोजित हुआ जिसमें उज्जैन के पंवासा जोन अंतर्गत भी महिला समागम आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया ओर गुरु वाणी सुनी। सत्संग में हर उम्र की नारीशक्ति ने गीत, भजन, कविताओं और विचारों के माध्यम से सत्गुरू माता सुदीक्षाजी महाराज की शिक्षाओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी। संत निरंकारी मिशन द्वारा महिलाओं को आध्यात्म से जोड़ने के लिए जोन स्तर का महिला समागम उज्जैन में के संत निरंकारी सत्संग भवन में आयोजित किया गया, जिसमें संभाग सहित आसपास की बहने शामिल हुई। उन्होंने कहा कि एक महिला विविध भूमिकाएं निभाती है, जो बेटी, बहन, पत्नी और मां के रूप में अपनी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करती है। बच्चों के प्रारंभिक जीवन को संवारने का कार्य भी एक महिला मां के रूप में करती है। अगर हम चाहते हैं कि हमारी बेटियां सुसराल में सुखी रहे, तो हमें भी अपनी बहुओं को बेटी मानकर खुशियां देनी होंगी। घर को स्वर्ग बनाने के लिए सास - बहु का रिश्ता हो या पति - पत्नी का रिश्ता, हमें हर रिश्ते को प्रेम, विश्वास, समर्पण से मजबूत बनाना होगा, इसके लिए महिलाएं घर के काम करने के साथ अपनी सेहत का भी ध्यान रखें, हर जगह सचेत रहें, साथ ही मानसिक तनाव से बचने के लिए अच्छे साहित्य पढ़ें।

वही भोपाल से पधारी दासी अनीता बेन सोनी ज्ञान प्रचारक ने अपने उद्बोधन में श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन कर माखन मिश्री की बात कर सबको उचित राह पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया। ओर बताया कि सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज जहां बाल समागम के माध्यम से बच्चों को संस्कारित कर रहे हैं, वहीं महिला समागम के माध्यम से घर परिवार को स्वर्गमय वातावरण प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में हर परिवार को सही माहौल जरूरी है, इसके लिए सर्वप्रथम महिलाएं आध्यात्म से जुड़े जिससे घर परिवार का वातावरण सुंदर और सुखद बने। जीवन में बदलाव के लिए सत्संग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि सतगुरू से ब्रह्मज्ञान प्राप्त करें, क्योंकि परमतत्व परमात्मा का बोध हमें मानवीय गुणों से सुशोभित करता है।

गंभीर डेम फुल, अब प्रतिदिन हो जलप्रदाय– नेता प्रतिपक्ष रवि राय

उज्जैन। उज्जैन शहर की प्यास बुझाने वाला गंभीर डेम फुल अपनी पूरी क्षमता से भर गया है। साथ ही गंभीर से पानी बहाना पड़ रहा है ऐसे में महीनों से जलसंकट भोग रही उज्जैन की जनता को प्रतिदिन जलसप्लाय प्रारंभ कर दिया जाए।

नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि नर्मदा शिप्रा लिंक योजना के नाम पर करोड़ों खर्च करने वाली भाजपा की सरकार ने लंबे समय तक उज्जैन की जनता को भीषण गर्मी में भी एक दिन छोड़कर पानी दिया। हद तो यह है कि आम जनता से शुल्क पूरे 30 दिन का वसूला जाता रहा। एक दिन छोड़कर पानी देने के लिए गंभीर में पर्याप्त जल नहीं होने का बहाना बनाया गया। काफी लंबे समय से शहरवासियों को एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा था, अब गंभीर डेम फुल हो गया है और पानी छोड़ना पड़ रहा है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com